

4530

4

- (ii) वेदः स्मृतिः सदाचारः स्वस्य च प्रियात्मनः ।
एतत्त्वतुर्विधं प्राहुः साक्षाद्धर्मस्य लक्षणम् ॥
- (iii) पूज्या लालयितव्याश्च स्त्रियो नित्यं जनाधिप ।
स्त्रियो यत्र च पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता ॥

(2000)

[This question paper contains 4 printed pages.]

29 DEC 2022

Your Roll No.

Sr. No. of Question Paper : 4530

Unique Paper Code : 12131303

Name of the Paper : Indian Social Institutions & Polity

Name of the Course : B.A. Hons. LOCF, Sanskrit, Core

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

4530

2

2. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अधोलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर दें - (15×4=60)

Answer any **four** from the following :

- (i) महाभारतकालीन समाज में नारी की स्थिति का वर्णन करें।

Describe the position of women in the Mahabharata Society.

- (ii) संस्कृत साहित्य में वर्णित भारतीय सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा स्पष्ट करें।

Explain the concept of Indian social institutions as described in Sanskrit literature.

- (iii) वैदिक साहित्य में भारतीय राजशास्त्र का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Give the introduction of Indian polity in Vedic literature.

4530

3

- (iv) मनु के अनुसार राजा के कर्तव्यों का वर्णन कीजिए।

Elucidate duties of King according to Manu.

- (v) भारतीय राजशास्त्र के प्रमुख सिद्धांतों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

Give the introduction of important principles of Indian polity.

- (vi) राजनीतिशास्त्र के उद्भव तथा विकास पर एक निबन्ध लिखिए।

Write an essay on origin and development of Indian Polity.

2. किन्हीं तीन पर टिप्पणी करें - (3×3=9)

Comment upon any **three** of the following :

धर्म, जाति उत्कर्ष एवं अपकर्ष, सप्ताङ्ग सिद्धांत, शुक्रनीति

3. निम्नलिखित में से किसी एक की संस्कृत व्याख्या करें - (1×6=6)

Explain any **one** of the following in **Sanskrit** -

- (i) सर्वोपजीवकं लोकस्थितिकृन्नीतिशास्त्रकम्।

धर्मार्थकाममूलं हि स्मृतं मोक्षप्रदं यतः ॥

P.T.O.